प्रेस विज्ञप्ति दिनॉक 03 - 04 - 2009

गुरू बालकदास जी के 149 वीं बलिदान दिवस एवं गुरू वंदना की पंचम वर्षगांठ के अवसर पर सतनाम का पुर्नजागरण एवं पुर्नस्थापना की दिशा में द्विचरणीय कार्यक्रम संपन्न ।

गुरू बालकदास जी की बलिदान दिवस 28 मार्च पर पूरे भारतवर्ष में विशेष कर छत्तीसगढ़ के विभिन्न जगहों पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है । इस अवसर पर गुरू बालकदास जी के बलिदान को समाज याद करता है और समाज में त्याग व बलिदान की भावना करने के लिये संकल्प लेता है । इसी कड़ी में इस्पात नगरी भिलाई में भी विगत वर्षो की भांति गुरू बालकदास जी के 149 वीं बलिदान दिवस एवं गुरू वंदना की पंचम वर्षगांठ के अवसर पर दो चरणीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ । प्रथम चरण में 27 मार्च 2009 को " गुरू बालकदास जी का बलिदान ब्यर्थ नहीं जायेगा " के विषय के अंतर्गत एक दिवसीय मोटर सायकल संकल्प रैली का आयोज हुआ । द्वितीय चरण में दिनॉक 28 मार्च 2009 को विषय ः वर्तमान परिवेश में सतनाम धर्म की प्रासंगिकता (Relevancy of SATNAM DHARMA in the present scenario .) पर सामाजिक परिचर्चा संपन्न हुआ ।

27 मार्च 2009 को मोटर सायकिल रैली सतनाम भवन सेक्टर 6 भिलाई से आरंभ हुआ । कुल 80 लोगों ने भाग लिये .जिसमें 22 महिला वर्ग से सम्मिलित होकर समाज के लिये बलिदान/ त्याग करने में अपनी भागीदारी प्रदान किये । इस अवसर पर श्री घना राम ढींढे जी व श्री मती पार्वती ढीढी जी ने विशेष रूप से उपस्थित होकर संकल्प रैली को रवाना किये । संकल्प रैली सतनाम भवन सेक्टर 6 भिलाई -> रिसाली सेक्टर -> उमरपोटी -> उतई-> डुमरडीह -> छोटे मंहका-> पंहडोर -> करसा-> छोटे औरी / बडे औरी-> भाठागांव -> अमलीडीह -> मोतीपुर -> खम्हरिया -> पहंदा -> परसदा -> कुम्हारी (दोपहर का भोजन)-> चोरहा -> मुर्रा -> ढाबा -> कंडरका -> मुरमुंदा -> मुर्राडीह -> चटवा -> मोहंदी -> खेरधा -> जामुल -> कुरूद -> कोहका -> कृष्णा नगर -> सुपेला -> सतनाम भवन सेक्टर 6 भिलाई में रैली का समापन हुआ ।विभिन्न जगहों पर संकल्प रैली का स्वागत के साथ सामूहिक गुरू वंदना के साथ ही संकल्प लिया गया एवं बलिदान से संबंधित पाम्पलेट भी वितरण किया गया। विशेष रूप से सतनाम परिसर में श्री भजन दास एवं श्री मती हेमिन चतुर्वेदी की अगुवाई में, उमरपोटी में श्री हीरामन पाटील व श्री प्रेमलाल गायकवाड की अगुवाई में, छोटे औरी में श्री अमोल दास की अगुवाई में, कुम्हारी में श्री प्रेम दास पटेला पार्षद श्री जागेश्वर पाटेला पार्षद श्री बिसहत पटेला श्री दुकालू राम कुर्रे श्री भरत सुल्तान श्री ललित राम देशलहरे श्री अयोध्या प्रसाद पटेला श्री राजेन्द्र कुमार जोशी आदि की अगुवाई में पंथी पार्टी व आतिसबाजी के साथ गर्मजोशी के साथ स्वागत कर बडी ही सुन्दर ढंग से भोजन की ब्यवस्था की गई थी । आगे मुर्राडीह में श्री राम भरोशा गायकवाड व श्री मती नैना बाई गायकवाड की अगुवाई में, कोहका में श्री बिसे सिंह राय की

अगुवाई में . कृष्णा नगर में श्री रवीन्द्र प्रसाद महिलांग की अगुवाई में तथा सतनाम भवन सेक्टर 6 भिलाई में श्री गजेन्द्र साय व श्री बी एन देशलहरा जी की अगुवाई में संकल्प रैली का स्वागत एवं समापन हुआ । संकल्प रैली में सर्व श्री एफ आर जनार्दन, श्री मंशा राम कुर्रे, श्री तुला राम टंडन, श्री ढाल सिंह कोसरे, श्री संत ज्ञानेश्वर गायकवाड, श्री छेदी लाल जोशी , श्री आनंद बघेल, श्री माधव प्रसाद अजगल्ले, श्री डी सी सोनवानी , श्री प्रेम शंकर कुर्रे, श्री डी पी देशलहरा, श्री राम कुमार मारकंडे, श्री विनोद खुटेल, श्री संत राम टंडन . श्री द्वारिका बंजारे . श्री हरिशंकर धृतलहरे . श्री किशोर टंडन . श्री सुरेश टंडन . श्री त्रिलोचन डहरे . श्री गोवर्धन टंडन . श्री गोविन्द बर्मन . श्री रेवा राम बारले . श्री शत्रुहन गायकवाड . श्री सुकदेव सोनवानी . श्री राजेन्द्र बंजारे . श्री राजू लाल बंजारे . श्री अशोक बारले . श्री वेद राम दिव्या . श्री सुरसेन कुर्रे . डॉ डी एस बंजारे . श्री राम कुमार महिलांगे . श्री जय कुमार गायकवाड . श्री सांवत राम बंजारे . श्री संजीव कुमार सोनवानी . श्री मान दास डहरिया . श्री मंथीर बंजारे . श्री उमेन्द्र कोसेवाडा . श्री तोप चंद जांगडे . श्री फूल सिंह गायकवाड . श्री संजय देशलहरा . श्री भूषण लाल बंजारे . श्री गजेन्द्र प्रसाद खिलाडी . श्री राम भरोशा गायकवाड . श्री कमर वेदी बंजारे . श्री मती चंद्रिका बंजारे . श्री गुलाब डहरिया . श्री मती नैना गायकवाड . श्री मती शशिकला जांगड़े . श्री मती दुज बाई बंजारे . श्री मती आनंदबाई जोशी . श्री मती तिजिया गायकवाड . श्री मती आशादेवी . श्री मती मीना अनंत . श्री मती तुलसी चेलकर . श्री मती अंबिका बघेल . श्री मती रूकमणी गेंदले . कु कोमल गेंदले . श्री मती हंसमणी देशलहरा . श्री मती शकुंतला देशलहरा . श्री मती गनेशिया बाई . श्री मती राजकुमारी बंजारे . श्री मती सुगौतिन जांगड़े . श्री मती अहिल्या बांधे . श्री मती चंदर मिरी . श्री सी आर पाटील . श्री धनी राम सोनवानी . श्री मती सरोज बाला पाहीत . श्री माखन लाल टंडन . श्री रेशम लाल ढीढी . श्री धनेश राम पुरेना . श्री विनय देवमन पाहित . श्री दुकालू प्रसाद भारती . श्री बिसे लाल कुर्रे . श्री सुखचंद देशलहरा . श्री रमेश कुर्रे . श्री प्रेम लाल गायकवाड . श्री हीरामन पाटील . श्री कुलेश्वर सोनवानी . श्री रमेश कुमार बघेल . श्री मती कौशल्या देवी आदि ने भाग लेकर सफल बनाये । श्री देव कुमार जांगड़े जी का भी विशेष सहयोग रहा ।

दिनॉक 28 मार्च 2009 को सतनाम भवन सेक्टर 6 भिलाई में वर्तमान परिवेश में सतनाम धर्म की प्रासंगिकता (Relevancy of SATNAM DHARMA in the present scenario .) पर सामाजिक परिचर्चा संपन्न हुआ ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ः प्रो. हरिश्चंद जोशी जी सेवा निवृत प्रोफेसर नई दिल्ली . अध्यक्षता ः श्री जैज लाल राय जी अध्यक्ष गुरू घासीदास सेवा समिति भिलाई नगर . प्रमुख वक्ता ः श्री टी आर खुंटे जी उपाध्यक्ष ग्लोबल इनर्जी लिमिटेड व सेवा निवृत. अतिरिक्त महाप्रबंधक . एन टी पी सी नई दिल्ली . विशेष अतिथि गण ः श्री टी आर कोसरिया . उप महाप्रबंधक . भिलाई इस्पात संयंत्र . डॉ जे आर सोनी ज्वाइंट डायरेक्टर . नगरीय प्रशासन निकाय. रायपुर बस्तर संभाग . श्री घना राम ढींढे . राष्ट्रीय अध्यक्ष. सत्य दर्शन सस्थान . डॉ आई आर सोनवानी . प्राध्यापक . शास दिग्विजय कालेज. राजनांदगॉव . श्री मोहन लाल भतरिया जी सेवा निवृत अधिकारी भिलाई इस्पात संयंत्र एवं वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता थे ।इस अवसर पर श्री मती नैना बाई गायकवाड एवं श्री गोवर्धन लाल टंडन जी ने सतनाम भजन प्रस्तुत किये । अतिथियों एवं उपस्थित जनों द्वारा दीप प्रज्वलित कर गुरू बालकदास जी के तैल्य चित्र में पुष्पांजली देकर श्रद्धांजली प्रदान किया गया । श्री मंशा राम कुर्रे . श्री जी एल टंडन व श्री राजेन्द्र बंजारे द्वारा गुरू वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूवात हुआ । अतिथियों ने अपने उदबोधन में बताये कि जनम.

जीवन व मरण जिंदगी के कटु सत्य हैं . इसको कोई भी नकार नहीं सकता । जनम व मरण पर किसी का अधिकार या कंट्रोल नहीं होता . परन्तु कैसा जीवन जींये इस पर अपना बस हो सकता है ।जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में संतुलन का होना आवश्यक है । संतुलित जीवन के लिये सत व असत का ज्ञान होना भी जरूरी है । सत प्रकृति के अनुरूप है तो असत प्रकृति के विरूद्ध । प्रकृति के अनुरूप चलने से जीवन में संतुलन आता है .यह तो सर्व विदित ही है । प्रकृति में पाये जाने वाले प्रत्येक जड़ व चेतन का अपना अपना गुण व धर्म होते हैं । मनुष्य भी एक चेतन प्राणी है । मनुष्य का भी अपना गुण व धर्म होता है । प्रेम व भाईचारा की भाषा न सिर्फ मनुष्य बल्कि जानवर तक भी समझते हैं . जो सभी काल (भूत वर्तमान व भविष्य) में लागू होता है । प्रेम व भाईचारा जीवन की बहुत बड़ी सच्चाई है । इस सच्चाई को संपूर्ण मानव समाज में पहुँचाना आज की सबसे बड़ी चुनौती है । सत धर्म अर्थात सतनाम धर्म की बुनियाद भी प्रेम व भाईचारा ही है । इस लहर को चलाने के लिये असत अर्थात अमानवतावादी दुर्गुणों का त्याग अथवा बलिदान आवश्यक है । अनेक मानवतावादी संतों. महात्माओं अथवा महापुरूषों ने त्याग व बलिदान की भावना पैदा कर के ही सत को अभी तक जिंदा रखे हैं ।इसी कड़ी में गुरू बालकदास जी के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता ।संपूर्ण जगत के सुख व शांति के लिये वर्तमान परिवेश में सतनाम विचार धारा अथवा सतनाम धर्म बहुत ही प्रासंगिक है ।

इस अवसर पर सतनामी गाथा (सतनाम के पुरोधा) प्रहसन का मंचन भी गुरू वंदना परिवार की ओर से हुआ । जिसका निर्माता श्री गोवर्धन लाल टंडन जी . निर्देशक श्री भुवन दास कोसरिया . सह निर्देशक श्री मंशा राम कुर्रे जी एवं बिसे लाल कुर्रे जी । कलाकारों में ः गुरू घासीदास जी की भूमिका श्री वेदानंद दिव्या . गुरू बालकदास जी की भमिका श्री मंशा राम कुर्रे . इसी तरह नीरा माता की श्री मती पिंगला देवी कुर्रे . सोनाखान राजा की श्री सुकदेव सोनवानी .रतनपुर राजा अमरदेव की श्री राजेन्द्र बंजारे . रत्ना देवी की कु पलक टण्डन . सरहा की श्री माखन लाल टंडन . जोधई की श्री राजेन्द्र टाण्डीव . नाई की श्री राज कमल कुर्रे . अंग्रेज इग्नू की श्री गजेन्द्र खिलारी . गोपाल मरार की श्री राजेन्द्र बंजारे. बिजरू राऊत की श्री बिसे लाल कुर्रे ः धनेष पुरेना. आकाश. सूर्यकांत . शालिनी .लीना . शैलेजा. विक्की आदि ने भी अलग अलग पात्र के रूप में अपनी शानदार प्रदर्शन पेश किये । स्वागत पत्रिका का भी विमोचन अतिथियों के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ । संकल्प रैली में भाग लेने वालों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित किया गया । रात्रि में गुरू भंडारा का भी आयोजन किया गया था । कार्यकम का संचालन श्री एफ आर जनार्दन ने किया एवं आभार प्रदर्शन श्री मंशा राम कुर्रे ने किया ।

(एफ आर जनार्दन)

ब्यूरो चिफ

लोक प्रिय हिंदी /अंग्रेजी दैनिक

संयोजक

गुरू बालकदास बलिदान दिवस एवं गुरू वंदना

वर्षगांठ आयोजन समिति भिलाई दुर्ग. (वर्ष 2009)